OFFICE OF CHIEF METROPOLITAN MAGISTRATE, SHAHDARA DISTRICT, KARKARDOOMA COURTS, DELHI.

NO 378 CMM/SHD/KKD. **DATED** 08/05/18

To,

All the Ld.ACMMs & MMs
Shahdara District,
Karkardooma Courts,
Delhi.

Sub : **Implementation of The Prevention of Cruelty to Animals (Care and Maintenance of case Property Animals) Rules,2017**

Sir/Madam

Please find enclosed herewith a copy of "The Prevention of Cruelty to Animals (Care and Maintenance of case Property Animals) Rules, 2017" for information and implementation, while dealing with Cases filed under the prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, particularly with regard to the coustody of animals during pendency of litigation and upon disposal of the cases.

The Ld. Officers are also requested to go through the order dated 22-02-2002 (copy enclosed) of Hon`ble Supreme Courts of India in Criminal Appeal Nos. 283-287/2002 titled "State of UP Vs. Mustakeem & Ors". for this purpose.

(AJAY GARG)
Chief Metropolitan Magistrate,
Shahdara District,
Karkardooma Courts, Delhi

No. 378 /18/CMM/SHD/KKD/Delhi **Date: 08.05.2018**

Copy forwarded for information and necessary action to:-

1. To Reader *Ld.*District & Sessions Judge Shahdara, Karkardooma Courts, Delhi
2. *Ld.ACMM* Shahdara Karkardooma Courts, Delh
3. All the Metropolitan Magistrates Shahdara, Karkardooma Courts, Delhi.
4. The Incharge, District Courts Web-Site Committee, Tis Hazari Courts, Delhi.
5. The Incharge Computer Branch, Shahdara Distt. Web-Site Committee, KKD. Courts, Delhi.
6. The Secretart, Animal Welfare Board of India- for information.
7. The Devisional Commissioner, Delhi Society for Prevention of Cruelty to Animals- for information.
8. Information Center, Karkardooma Courts, Delhi.
9. The Notice Board, Karkardooma Court Complex, Delhi
10. Office Order File.

(AJAY GARG)
Chief Metropolitan Magistrate,
Shahdara District,
Karkardooma Courts, Delhi

Compiled information with reference to circular No. 216/2018 dated 09/04/18.

(2) Where a ve...inary inspector is of the opinion that any animal in an animal market is unfit, he may treat it, or cause it to be treat... an ...take, or cause to be taken, any other steps that he considers necessary to protect it from unnecessary pain o... ...ffe..., and he may for any such purpose require the Animal Market Committee to detain the animal in a pen for ...on... he considers necessary for the purpose of further treatment or otherwise protecting it from unnecessary pain or ...ffe...g.

(3) Where an a...mal is being detained under this rule, no person shall move it from its place of detention except with the approval of ...veterinary inspector and in accordance with any conditions subject to which the approval is given.

(4) The Anima... Market Committee shall—

(i) re... r such assistance to a veterinary inspector as he may require for the purpose of facilitating the ex...se of his powers under these rules;

(ii) gi... to ...terinary inspector such information as it possesses as to the ownership of any animal in re... ...t ... which any such power is exercised.

(5) Expenses i... rred ... a veterinary inspector in treating, or causing to be treated, an unfit animal in exercise of the powers conferre... him by these rules shall be borne by the owner of the animal.

26. Marking o...animals.— The veterinary inspector may mark, or cause to be marked, any animal including by ear tags but hot bran...g, cold branding and other injurious marking shall be prohibited.

27. Ramps.—\...ere... ...any time after the coming into force of these rules, any premises are constructed for use as an anim... ma... it shall be the duty of the Animal Market Committee for that market to ensure that facilities are provic... in ... market for the purpose of loading and unloading cattle, sheep, goats, horses, ponies, donkeys, mules, ca... ...a... ...gs into and out of vehicles and that those facilities consist of fixed ramps or other facilities which are of a heigh... ...d ... ...gn suitable and as specified for that purpose; and it shall be the duty of the Animal Market Committee to ensur... ...at ... fixed ramp or other facilities which are so provided are fitted with side railings (or some other means of prote... ...on) ...signed and constructed so as to prevent such animals from falling off them.

[F. No. 1/1/2016-AWD]

RAVI S. PRASAD, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मई, 2017

सा.का.नि. 49....— ...ों के प्रति क्रूरता का निवारण (केस विषयक पशुओं की देखरेख और भरणपोषण) नियम, 2016 का प्रारूप, पशुओं के प्रति ...र... ...वारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिव... ...की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 35(अ), तारीख 16 जनवरी, 2017 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड ..., ...ख 16 जनवरी, 2017 को प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनका उनके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य ...उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई गई थी, तीस दिन की अवधि की समाप्ति ...र... ...प और सुझाव आमंत्रित किए गए थे ;

और उक्त राजप... ...प्रतियां जनता को 16 जनवरी, 2017 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

अत: अब, केंद्रीय ...क... पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 38 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त ...क... का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :–

1. संक्षिप्त नाम ...प्रारंभ.– (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (केस विषयक पशुओं की देखरेख और भरणपोषण) नियम, 201...

(2) ये राजपत्र ...वि...शन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं- ...इ... में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) "अ... ...पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) अभिप्रेत है ;

(ख) "प... ...संगठन" से भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त कोई संगठन अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत ... आंध्रनियम के अ... ...गए, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटियों की

स्थापना और ... नियम, 2001 के अधीन किसी जिले में स्थापित पशुओं के प्रति क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटी भी है ;

(ग) "... ई गोजातीय पशु अभिप्रेत है, जिसके अंतर्गत सांड, गाय, भैंस, बछवा, कलोर और ब्याना आते हैं और जिसके अंतर्गत ... है ;

(घ) "... ते क्रूरता के निवारण के लिए सोसाइटी (एसपीसीए)" से पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण (पशुओं के प्रति क्रूरता के ... लिए सोसाइटियों की स्थापना और विनियमन) नियम, 2001 के अधीन स्थापित एसपीसीए अभिप्रेत है ;

(ङ) "... ा राज्य सरकार द्वारा किसी राज्य में गठित राज्य पशु कल्याण बोर्ड अभिप्रेत है ;

(च) "... क पर उपयोग के लिए संनिर्मित या अनुकूलित कोई यान (जिसके अंतर्गत किसी भी भांति का कोई ट्रेलर या किसी यान ... गाड़ी भी है) अभिप्रेत है ;

(छ) उ... र पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो अ... धिनियम में उनके हैं।

3. मुकदमा लं... दौरान पशुओं की अभिरक्षा – जब किसी पशु का अधिनियम या तद्धीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन अभिग्रहण किय... ा-

(क) पशु को ... रने वाला प्राधिकारी, ऐसे पशु के स्वास्थ्य निरीक्षण, पहचान और चिह्नांकन को उस क्षेत्र के सरकारी पशु चिकित्सा अस्पता... धिकारिता रखने वाले पशु चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से सुनिश्चित करेगा और चिह्नांकन कर्ण टैग द्वारा या चिप द्वारा ... द किसी विकसित प्रौद्योगिकी द्वारा किया जा सकेगा किन्तु तप्त छाप, शीत छाप या किसी अन्य हानिकारक छाप द्वारा ... तिषिद्ध होगा ;

(ख) मजिस्ट्रेट ... बेत रहने के दौरान पशु को किसी रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन या गोशाला में रखने का निदेश दे ...

4. मुकदमा लं... दौरान पशु की देखरेख और रखने की लागत- (1) राज्य बोर्ड इन नियमों के प्रारंभ की तारीख से तीस मास के भीतर और उ... त्येक वर्ष 1 अप्रैल को ऐसे पशु की, जो राज्य में सामान्यत: अभिगृहीत किए जाते हैं, प्रत्येक प्रजाति के लिए प्रतिदिन परिवह... ण और उपचार की लागत विनिर्दिष्ट करेगी।

(2) जिला मजिस्ट्रेट, ... ा विनिर्दिष्ट की गई दरों को, अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (4) के अधीन अभिगृहीत पशुओं के परिवहन, भरणपोषण, ... लिए विनिर्दिष्ट न्यूनतम दरों के रूप में उपयोग करेगा।

(3) उस दशा में जब ... पशु राज्य बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट दर सूची पर नहीं है, जिला मजिस्ट्रेट पशुओं के परिवहन, उपचार और भरणपोषण की लागत, ... ा रखने वाले पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर नियत करेगा।

5. बंधपत्र का निष्पाद... स्ट्रेट, पशु को किसी रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन, या गोशाला को अभिरक्षा सौंपते समय वह रकम ... रेगा जो अधिकारिता वाले पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पशु के परिवहन, भरणपोषण और उपच... गत या उपगत की जाने के लिए प्रत्याशित समस्त युक्तियुक्त लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त हो और अभियुक्त तथा ... धारित मूल्य का बंधपत्र प्रतिभुओं सहित तीन दिन के भीतर निष्पादित करने का निदेश देगा और यदि अभियुक्त तथा स्वामी ... पादित नहीं करते हैं तो पशु, रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन, गोशाला को समपहृत हो जाएगा।

(2) पशु की अभिरक्षा ... ग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन या गोशाला पाक्षिक आधार पर बंधपत्र से पशु की अभिरक्षा प्राप्त क... ख से उसके अंतिम व्ययन की तारीख तक पशु की देखरेख में उपगत वास्तविक युक्तियुक्त लागत का आहरण कर सकेगा।

(3) मजिस्ट्रेट, अभियु... ी से प्रारंभिक बंधपत्र की रकम का अस्सी प्रतिशत पशु की देखरेख की लागत में खर्च हो जाने पर प्रतिभुओं सहित अतिरि... निष्पादित करने की मांग करेगा।

(4) जहां अपराध में ... र्लित है वहां मजिस्ट्रेट यान को प्रतिभुओं के रूप में रखने का निदेश देगा।

(5) पशु को परिवहन ... पराध की दशा में यान का स्वामी, परेषक, परेषिती, परिवाहक, अभिकर्ता और सभी अन्य सम्मिलित पक्षकार संयुक्तत: और ... ओं के परिवहन, उपचार और देखरेख की लागत के दायी होंगे।

(6) उस दशा में जहां ... त्व किसी निगमित निकाय के पास है, वहां निगमित निकाय का मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अध्यक्ष या उच्चतम रैंक का व... मित निकाय और अभियुक्त संयुक्तत: और पृथकत: पशुओं के परिवहन, उपचार और देखरेख की लागत के दायी होंगे।

(7) उस दशा में जहां प ... त्व सरकार के पास है वहां विभागाध्यक्ष और अभियुक्त संयुक्ततः और पृथकतः पशुओं के परिवहन, उपचार और देखरेख की ... ी होंगे ।

(8) यदि स्वामी और अ ... स बंधपत्र देने के साधन नहीं हैं तो मजिस्ट्रेट स्थानीय प्राधिकरण को अंतर्वलित लागत का जिम्मा लेने और उसे भूराजस्व के ब ... में वसूल करने का निदेश देगा ।

6. परित्यक्त पशु- (1) ... जहां अन्वेषक अधिकारी यह रिपोर्ट फाइल करता है कि प्रथम दृष्टया अधिनियम के अधीन अपराध पाया गया है किंतु वह ... पशु के स्वामी का अवधारण करने में असमर्थ है तो मजिस्ट्रेट स्थानीय प्राधिकरण को अंतर्वलित लागत का जिम्मा लेने का निदेश ... ह समझा जाएगा कि स्वामी ने पशु के स्वामित्व का त्याग कर दिया है ।

(2) स्वामित्व का त्याग ... धी या स्वामी के विरुद्ध किन्हीं दांडिक आरोपों को प्रभावित नहीं करेगा ।

7. स्वैच्छिक त्याग- इस ... किसी बात का अर्थ ऐसे स्वामी द्वारा, जो अभियुक्त है, किसी पशु को बंधपत्र के निष्पादन के बदले रुग्णावास, पिंजरापोल, ... पशु कल्याण संगठन या गोशाला को स्वैच्छिक और स्थायी त्याग करने से रोकना नहीं होगा किंतु स्वैच्छिक और स्थायी त ... त या स्वामी के विरुद्ध किंही दांडिक आरोपों को प्रभावित नहीं करेगा ।

8. मुकदमें के निपटारे ... स्थिति- (1) यदि अभियुक्त को दोषसिद्ध किया जाता है या वह दोषी होने का अभिवाक् करता है तो मजिस्ट्रेट उसे पशुओं के ... वंचित कर देगा और अभिगृहीत पशु को पहले से ही अभिरक्षा रखने वाले रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण ... गोशाला को उचित दत्तक ग्रहण या अन्य प्रकार से व्ययन के लिए समपहृत कर देगा ।

(2) यदि अभियुक्त को ... ों से दोषमुक्त पाया जाता है तो अभिगृहीत पशु अभियुक्त या स्वामी को लौटा दिया जाएगा तथा निष्पादित किसी बंधपत्र ... ा अप्रयुक्त भाग उस व्यक्ति को लौटा दिया जाएगा, जिसने बंधपत्र निष्पादित किया था ।

9. दत्तक ग्रहण या अन्य ... यन की प्रक्रिया- (1) मुकदमे के दौरान या मुकदमें के पश्चात् पशु की अभिरक्षा रखने वाला रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, ... संगठन या गोशाला अधिनियम की धारा 13 के अनुसार उसकी अभिरक्षा में के पशु को सहज मृत्यु दे सकेगा ।

(2) जहां पशु को, यथा ... द्धि, परित्याग या स्वैच्छिक त्याग के पश्चात् रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन या गोशाला को समपहृ ... या है वहां पशु को दत्तक ग्रहण के लिए रख दिया जाएगा ।

(3) ऐसा व्यक्ति, जो ... ा या राज्य सरकार द्वारा बनाए गए किसी मवेशी परिरक्षण विधि के अधीन आरोपित है, रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, ... संगठन या गोशाला से पशु को दत्तक ग्रहण में लेने से प्रतिषिद्ध होगा ।

(4) रुग्णावास, पिंजरापो ... ए, पशु कल्याण संगठन या गोशाला पशु को दत्तक ग्रहण में देने से पहले,-

(क) मवेशी ... थ पत्र के रूप में यह वचनबंध लेगा कि पशु को दत्तक ग्रहण में कृषि प्रयोजनों के लिए न कि वध के लिए लिया ... संगत राजस्व दस्तावेज देखकर यह सत्यापित करेगा कि पशु का दत्तक ग्रहण में लेने वाले व्यक्ति एक कृषक है ।

(ख) भार ढोने ... द्दू पशुओं की दशा में शपथ पत्र के रूप में यह वचनबंध लेगा कि पशुओं को दत्तक ग्रहण में भार ढोने और लादने के ... लिए न कि वध के लिए लिया गया है ।

(ग) कुत्तों ... की दशा में यह सुनिश्चित करेगा कि दत्तक ग्रहण में देने से पहले पशु को अंडाशय उच्छेदित और नपुंसक कर ...

(घ) पशु को ... लेने वाले व्यक्ति का नाम और पते का अभिलेख रखेगा और पशु को दत्तक ग्रहण में लेने वाले व्यक्ति का पहचान ... पते का सबूत उपाप्त करेगा ।

(ङ.) पशु को ... में लेने वाले व्यक्ति से शपथ पत्र के रूप में यह घोषणा अभिप्राप्त करेगा कि वह पशु का दत्तक ग्रहण की तारीख से ... क अन्य संक्रामण नहीं करेगा और उसके परिवहन के लिए अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधी ... नियमों का पालन करेगा और पशु की नियमित पशु चिकित्सा जांच करवाएगा ।

(5) पशु को दत्तक ग्रह ... ा व्यक्ति-

(क) पशु को ...

(ख) पशु का ... ी करेगा;

(ग) राज्य म ... और परिरक्षण विधि का अनुसरण करेगा;

(घ) किसी ध ... ा के लिए पशु की बलि नहीं देगा;

(ङ.) राज्य ... ए और परिरक्षण विधि के अनुसार अनुज्ञा के बिना राज्य के बाहर किसी व्यक्ति को मवेशी को नहीं बेचेगा ।

(6) जहां किसी
पशु कल्याण सं
पहली प्रति पशु
या गोशाला को
में लेने वाले व्य
जाएगी।

किसी भार ढोने वाले और लद्दू पशु को दत्तक ग्रहण में लिया गया है वहां रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए,
ाला के परिसरों से उसको ले जाए जाने से पहले पांच प्रतियों में दत्तक ग्रहण का सबूत जारी करेगा जिसमें से
हण में लेने वाले व्यक्ति को, दूसरी प्रति, यथास्थिति, रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए, पशु कल्याण संगठन
पशु को दत्तक ग्रहण में लेने वाले व्यक्ति के निवास के तहसील कार्यालय को, चौथी प्रति पशु को दत्तक ग्रहण
ा कार्यालय को दी जाएगी तथा अंतिम प्रति केस फाइल में फाइल किए जाने के लिए न्यायालय को भेज दी

(7) पशु का दत्त
पिंजरापोल, एस
वह व्यक्ति जि
अधिनियम या
पशु कल्याण सं

शु को दत्तक ग्रहण में लेने वाले व्यक्ति को अप्रतिसंहरणीय अधिकार नहीं देगा और, यथास्थिति, रुग्णावास,
कल्याण संगठन या गोशाला समय समय पर पशु का निरीक्षण कर सकेगा तथा यह पाए जाने की दशा में कि
त्तक ग्रहण में लिया था, पर्याप्त देखरेख नहीं कर रहा है या उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि
रक्षण विधि के अधीन अपराध किया जाना प्रत्याशित है तो, यथास्थिति, रुग्णावास, पिंजरापोल, एसपीसीए,
ला पशु का कब्जे में ले लेंगे।

(8) पशु
साधारण
यातना

ने वाला व्यक्ति पशु का केवल विधिपूर्ण संरक्षक होगा और उसे ऐसे अधिकार नहीं होंगे जो पशु के स्वामी को
ते हैं किंतु उसका ऐसे पशु के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए और ऐसे पशु को अनावश्यक पीड़ा या
के लिए सभी उत्तरदायी उपाय करने का कर्तव्य होगा।

[फा. सं. 1/1/2016-एडब्ल्यूडी]

रवि शंकर प्रसाद, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd May, 2017

G.S.
Animals
Animals Act,
G.S.R. 35(E),
16th January,
thirty days fro
public;

-Whereas the draft Prevention of Cruelty to Animals (Care and Maintenance of Case Property
re published, as required under sub-section (1) of section 38 of the Prevention of Cruelty to
f 1960), vide the Ministry of Environment, Forest and Climate Change notification number
6th January, 2017 in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), the
g objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of
on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the

And

copies of the said Gazette were made available to the public on the 16th January, 2017;

And
Government;

jections and suggestions received from the public have been considered by the Central

Now,
of Cruelty to

n exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 38 of the Prevention
, 1960 (59 of 1960), the Central Government hereby makes the following rules, namely: —

1. Short
and Maintenan

ommencement.— (1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Animals (Care
Property Animals) Rules, 2017.

(2) They

into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Defin

these rules, unless the context otherwise requires, —

(a)

ans the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 (59 of 1960);

(b)

Welfare Organisation" means an organisation recognised by the Animal Welfare Board of
l includes a Society for Prevention of Cruelty to Animals established in any district under the
n of Cruelty to Animals (Establishment and Regulation of Societies for Prevention of Cruelty
ls) Rules, 2001 made under the Act;

(c)

neans a bovine animal including bulls, cows, buffalos, steers, heifers and calves and includes

(d)

for Prevention of Cruelty to Animals (SPCA)" means a SPCA established under the
n of Cruelty to Animals (Establishment and Regulation of Societies for Prevention of Cruelty
ls) Rules, 2001 made under the Act;

(e)

ard" means the State Animal Welfare Board constituted, in a State, by the State Government;

(f)

" means any vehicle (including a trailer of any description and the detachable body of a
constructed or adapted for use on a road;

(g) expressions used in these rules and not defined, but defined in the Act, shall have the respectively assigned to them in the Act.

3. **Custody of** rules made there

ading litigation.— When an animal has been seized under the provision of the Act or the

(a) the auth the jurisdictional ear tagging or by other injurious m

g the animal shall ensure health inspection, identification and marking such animal, through officer deployed at Government Veterinary Hospital of the area and marking may be done by or by any less irksome advance technology but marking by hot branding, cold branding and t be prohibited;

(b) the ma Organisation or

y direct the animal to be housed at an infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal Welfare ring the pendency of the litigation.

4. **Cost of care** date of commen maintenance and

g of animal pending litigation.— (1) The State Board shall within three months from the hese rules and thereafter on the 1st day of April every year, specify the cost of transport, er day for every species of animal that is commonly seized in the State.

(2) The ma maintenance and

l use the rates specified by the State Board as the minimum specified rates for transport, f the seized animals under sub-section (4) of section 35 of the Act.

(3) In case fix the cost of t veterinary office

nder consideration is not on the rate sheet specified by the State Board, the magistrate shall atment and maintenance of the animal based on the input provided by the jurisdictional

5. Execut SPCA, Animal V cost incurred an provided by the determined valu be forfeited to in

.— (1) The magistrate when handing over the custody of animal to an infirmary, pinjrapole, anisation or Gaushala shall determine an amount which is sufficient to cover all reasonable l to be incurred for transport, maintenance and treatment of the animal based on the input l veterinary officer and shall direct the accused and the owner to execute a bond of the s within three days and if the accused and owner do not execute the bond, the animal shall rapole, SPCA, Animal Welfare Organisation or Gaushala.

(2) The in may draw on fr date it received

apole, SPCA, Animal Welfare Organisation or Gaushala having the custody of the animal on a fortnightly basis the actual reasonable cost incurred in caring for the animal from the e date of final disposal of the animal.

(3) The ma cent. of the initi

l call for the accused and the owner to execute additional bond with sureties once eighty per nt has been exhausted as cost for caring for the animal.

(4) Where security.

s been involved in an offence, the magistrate shall direct that the vehicle be held as a

(5) In case and any other pa

elating to transport of animals, the vehicle owner, consignor, consignee, transporter, agents l shall be jointly and severally liable for the cost of transport, treatment and care of animals.

(6) In case employee of the transport, treatm

dy corporate owns the animal, the Chief Executive Officer, President or highest-ranking ate, the body corporate and the accused shall be jointly and severally liable for the cost of of the animal.

(7) In case and sever

Government owns the animal, the Head of the Department and the accused shall be jointly st of transport, treatment and care of the animal.

(8) If the authority to unde

e accused do not have the means to furnish the bond, the magistrate shall direct the local sts involved and recover the same as arrears of land revenue.

6. Abando the Act has been direct the local ownership of the

.— (1) In case where the investigating officer files a report that prima facie offence under t he is unable to determine the accused or the owner of the animal, then the magistrate shall undertake the costs involved and it shall be deemed that the owner has relinquished the

(2) The rel the owner.

of ownership shall have no effect on any criminal charges against the unknown offender or

7. Volunt relinquishment Organisation or on any criminal

shment.— Nothing in these rules shall be construed to prevent the voluntary and permanent al by the owner who is the accused, to infirmary, pinjarapole, SPCA, Animal Welfare lieu of executing a bond but the voluntary and permanent relinquishment shall have no effect st the accused or owner.

8. Status shall deprive hi Welfare Organis

pon disposal of litigation.— (1) If the accused is convicted, or pleads guilty, the magistrate ership of animal and forfeit the seized animal to the infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal shala already having custody for proper adoption or other disposition.

(2) If t... found not guilty of all charges, the seized animal shall be returned to the accused or owner of the animal a... l portion of any bond amount executed shall be returned to the person who executed the bond.

(9) Pro... option or other disposition.— (1) The infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal Welfare Organisation... having custody of the animal during the litigation or post litigation may euthanize the animal in its custody as... 13 of the Act.

(2) Whe... nal has been forfeited to the infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal Welfare Organisation or Gaushala afte... n, abandonment or voluntary relinquishment, as the case may be, the animal shall be put up for adoption.

(3) A p... as been charged under the Act or any cattle preservation law made by the State Government shall be pro... adopting animals from the infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal Welfare Organisation or Gaushala.

(4) The ... pinjrapole, SPCA, Animal Welfare Organisation or Gaushala prior to giving the animal for adoption sha...

(a) in ca... take an undertaking in form of an affidavit that the animals are adopted for agriculture purposes and ... ghter, and verify that the person adopting the animal is an agriculturist by seeing the relevant revei... t;

(b) in ca... t and pack animals, take an undertaking in the form of an affidavit that the animals are adopted for d... ack purposes and not for slaughter;

(c) in ca... d cats, ensure that the animal is spayed or neutered before adoption;

(d) keep ... ame and address of the person adopting the animal and procure an identity proof and address proo... n adopting the animal;

(e) obtai... erson adopting the animal a declaration in the form of an affidavit that he shall not alienate the anim... months from the date of adoption and shall abide by the rules for transport framed under the Act o... aw for the time being in force and shall get regular veterinary checkup done for the animal.

(5) The p... ng the animal shall–

(a) not se... ;

(b) not al... imal;

(c) follow... ttle protection and preservation law;

(d) not sa... imal for any religious purpose;

(e) not se... to a person outside the State without permission as per the State cattle protection and preser...

(6) Where... a draught and pack animal has been adopted, before its removal from the premises of the infirmary, pinj... A, Animal Welfare Organisation or Gaushala, the proof of adoption shall be issued in five copies, out of w... py shall be handed over to person adopting the animal, second copy to infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal... ganisation or Gaushala, as the case may be, third copy to tehsil office of the residence of person adoptin... fourth copy to the Chief Veterinary Officer, Office of District of person adopting the animal and last copy sh... the court to be filed in the case file.

(7) The ac... imal shall not create an irrevocable right to the person adopting the animal, and the infirmary, pinjrapole, SPC... Welfare Organisation or Gaushala, as the case may be, may from time to time inspect the animal and in c... at the person who has adopted the animal is not providing sufficient care or it has reasons to believe that an ... r the Act or any cattle preservation law is anticipated, then the infirmary, pinjrapole, SPCA, Animal Welfare... n or Gaushala, as the case may be, shall take possession of the animal.

(8) The pe... g the animal shall only be the lawful guardian of the animal and shall not have any rights bestowed gener... ner of the animal, but shall have the duty to take all responsible measures to ensure the well being of such an... revent infliction upon such animal of unnecessary pain or suffering.

[F. No. 1/1/2016-AWD]

RAVI S. PRASAD, Jt. Secy.

Upload... f Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.05.25 15:43:28 +05'30'

Picture 001.jpg

IN THE SUPREME COURT OF INDIA

530595

CRIMINAL APPELLATE JURISDICTION

CRIMINAL APPEAL NOs.283-287/2002

(Arising out of SLP(Crl.) Nos.2790,2793,2795,2797,2800/1999)

State of U.P. ...Appellant

Vs.

Mustakeem & Ors. ...Respondents

ORDER

Leave granted.

The State of Uttar Pradesh is in appeal against the order of the Court directing release of the animals in favour of the owner. It is alleged that while those animals were being transported for the purpose of being slaughtered, an FIR was registered for alleged violation of the provisions of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, and the specific allegation in the FIR was that the animals were being transported for being slaughtered, and the animals were tied very tightly with each other. The criminal case is still pending. The application for getting the custody of the animals was filed, the impugned order has been passed. We are shocked as to how such an order could be passed by the learned Judge of the Trial Court in view of the very allegations and in view of the charges, which the accused may face in the criminal trial. We therefore set aside the impugned order and direct that the animals be kept in the Goshala and the State Government undertakes to take the entire responsibility of the preservation of those animals so long as the matter is under

The appeals stand disposed of accordingly.

.....J.
(G.B. PATTANAIK)

.....J.
(BRIJESH KUMAR)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF PROSECUTION
GOVT. OF NCT OF DELHI
TIS HAZARI COURTS : DELHI – 110054

No. [illegible] DOP/2015/ Dated: 07-01-16

ORDER

Whereas, it has been observed that most of the cases registered for the offences under the Prevention of Cruelty of Animals Act, 1960, are not being conducted properly by the concerned Prosecuting Officers, resulting which, State is suffering from irreparable loss in such cases.

On a number of occasions, concerned Assistant Public Prosecutors / Additional Public Prosecutors do not appear at the time of handing over custody of the animals by the Courts on Superdari and sometimes the custody of the animals is given to the accused by the Courts, rendering the entire exercise useless.

In view thereof, in order to ensure the proper compliance of the Orders of Hon'ble Apex Court dated 22.02.2002 passed in Criminal Appeal No. 283-287/2002, ***"State of U.P. V/s Mustakeem & Others"*** (copy enclosed), all the concerned APPs / Addl. PPs are hereby directed to defend the said cases with utmost dedication, zeal and enthusiasm and ensure the proper compliance of the provisions of the Act as well as Order of the Hon'ble Supreme Court.

Any default in this regard will be viewed seriously.

07/01/16.

(PANKAJ SANGHI)
DIRECTOR OF PROSECUTION
DELHI

Copy forwarded to :-

1. All Office / PP (Hqrs) : for necessary compliance
2. All CP Incharge : -do-
3. Chief Prosecutors : -do-
4. All concerned Addl. PP/APPs
   & concerned PP/CP : for compliance
5. Notice Board : for information
6. Guard File / Record File : for record
7. Spare to DOP : for record.